शहरी परविहन संबंधी प्रदूषण: कोलकाता बड़े शहरों में सबसे स्वच्छ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) द्वारा तैयार की गई 'द अर्बन कम्यूट एंड हाउ इट कंट्रीब्यूट्स टू पोल्यूशन एंड एनर्जी कंजम्प्शन' नामक रपिोर्ट जारी की गई।

प्रमुख बदुि

- इस रपिोर्ट में 6 मेगा शहरों (दलि्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बंगलुरु और हैदराबाद) तथा 8 महानगरों (भोपाल, लखनऊ, जयपुर, चंडीगढ़, अहमदाबाद, पुणे, कोच्चि एवं वजियवाड़ा) सहति भारत के 14 शहरों का वश्लिेषण शामलि है जसिमें शहरी संचार से होने वाले प्रदूषण और ऊर्जा उपभोग के संदर्भ में यह देखा गया कि शहरों में लोग कसि प्रकार यात्रा करते हैं?
- इस रपिोर्ट में कोलकाता को शीर्ष प्रदर्शन करने वाले मेगाशहर के रूप में स्थान मलिा है। भोपाल सबसे कम समग्र उत्सर्जन के साथ सूची में प्रथम स्थान पर है। दलि्ली और हैदराबाद दो शहर ऐसे हैं जो प्रदूषण और ऊर्जा के उपयोग के प्रदर्शन के आधार पर तालिका में सबसे नीचे हैं।

राष्ट्रीय संकट

- इस अध्ययन में शहरी परविहन क्रयिाओं, जैसे कि पार्टीकुलेट मैटर और नाइट्रोजन ऑक्साइड के समग्र ज़हरीले उत्सर्जन के साथ ऊष्मा संजाल (Co2) की गणना के आधार पर शहरों को स्थान दयिा गया।
- इस अध्ययन में शहरों को स्थान प्रदान करने के लयि दो दृष्टकिोण अपनाए गए- पहला समग्र उत्सर्जन और ऊर्जा उपभोग पर आधारति है और दूसरा प्रतवि्यक्ति यात्रा उत्सर्जन और ऊर्जा उपभोग पर आधारति है।
- समग्र उत्सर्जन और ऊर्जा उपभोग के मामले में भोपाल के बाद वजियवाड़ा, चंडीगढ़ और लखनऊ का स्थान है। कोलकाता, जो समग्र उत्सर्जन के आधार पर छठे स्थान पर है छह मेगाशहरों के बीच सबसे कम उत्सर्जन के साथ सबसे आगे है।
- अहमदाबाद और पुणे जैसे छोटे शहर भी समग्र उत्सर्जन के आधार पर कोलकाता से नीचे आँके गए हैं।
- समग्र उत्सर्जन के आधार पर दलि्ली की रैंकगि तालिका में सबसे नीचे है। इस सूची में हैदराबाद, बंगलुरु और चेन्नई ने दलि्ली से थोड़ा बेहतर प्रदर्शन कयिा।
- इस रपिोर्ट के अनुसार, हालाँकि कम जनसंख्या, कम यात्रा की मात्रा और कम वाहन संख्या के चलते मेट्रोपॉलटिन शहरों ने मेगाशहरों से बेहतर प्रदर्शन कयिा, लेकनि नजिी वाहन यात्राओं के बहुत अधकि हसि्से के कारण वे जोखमि पर हैं।

एक बेहतर संदेश

- कोलकाता की तुलना हांगकांग और जापान के शहरों से करते हुए इस रपिोर्ट में बताया गया है कि "कोलकाता एक शानदार संदेश प्रदान करता है कि जनसंख्या वृद्धि और बढ़ती यात्रा की मांग के बावजूद, एक अच्छी तरह से स्थापति सार्वजनकि परविहन संस्कृति, सघन शहर डज़िाइन, उच्च सड़क घनत्व और सड़कों और पार्कगि के लयि भूमि की सीमति उपलब्धता के साथ मोटर चालति परविहन का वकिास संभव है।"
- रपिोर्ट में कहा गया है कि मुंबई में उच्चतम सकल घरेलू उत्पाद होने के बावजूद अन्य मेगाशहरों की तुलना में मोटर चालति परविहन की दर कम थी, जो यह साबति करता है कि ऑटोमोबाइल पर जनसंख्या की नरि्भरता के नरि्धारण में आय का स्तर एकमात्र कारण नहीं है।
- रपिोर्ट में कहा गया है, "कोलकाता और मुंबई दोनों शहर सार्वजनकि परविहन के एक अद्वतिीय लाभ के साथ वकिसति हुए हैं जो वहाँ की मौजूदा भूमि उपयोग पैटर्न के साथ बेहतर समायोजन पर आधारति है।"
- इससे पूर्व, 2004 में चेन्नई एक गैर-मोटर चालति परविहन (एनएमटी) नीति को अपनाने वाला देश का पहला शहर बना। इस नीति का उद्देश्य फुटपाथ, साइकलि ट्रैक और ग्रीनवे के नेटवर्क का नरि्माण करके चलने या साइकलि चलाने की गरिावट को रोकना है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/commute-related-pollution-kolkata-shines-among-megacities